RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

द्वितीयक क्रियाएं



अध्याय-5 | भाग-02

21 अगस्त 2026 || 05:00 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

उद्योगों का वर्गीकरण

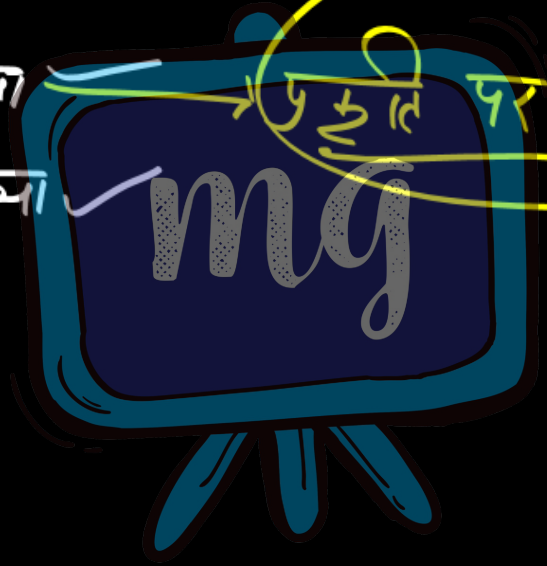


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक क्रियाओं

- प्राथमिक क्रिया → प्रकृति पर निर्भर होने
- द्वितीयक क्रिया → उत्पाद



1. ~~विनिर्माण~~
2. निर्माण
3. उद्योग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता

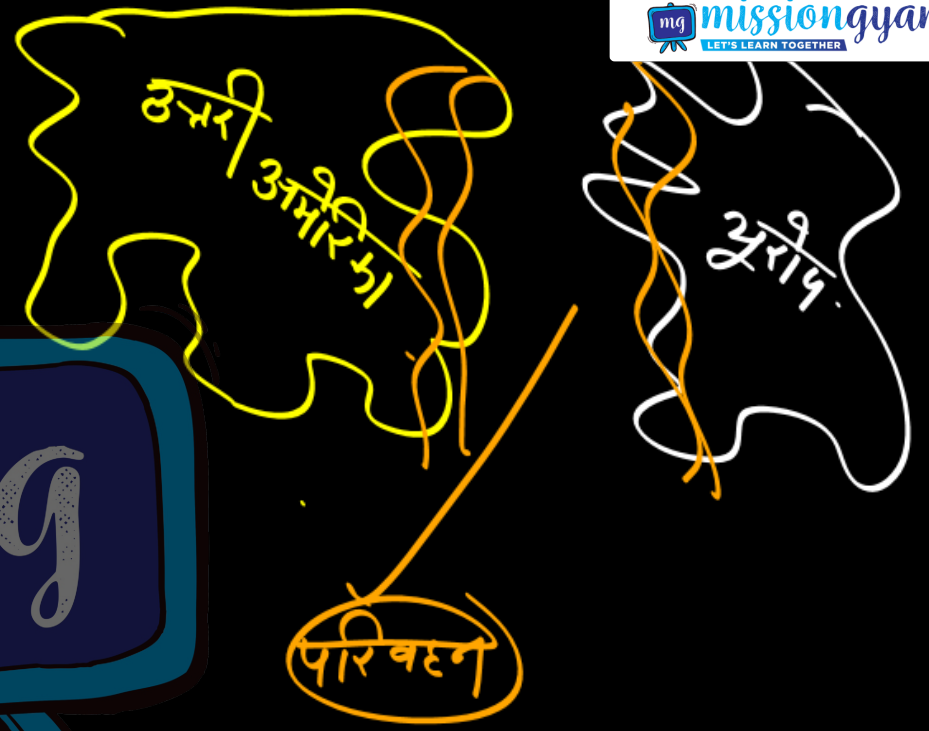
- कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाज़ार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं।
- परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है।



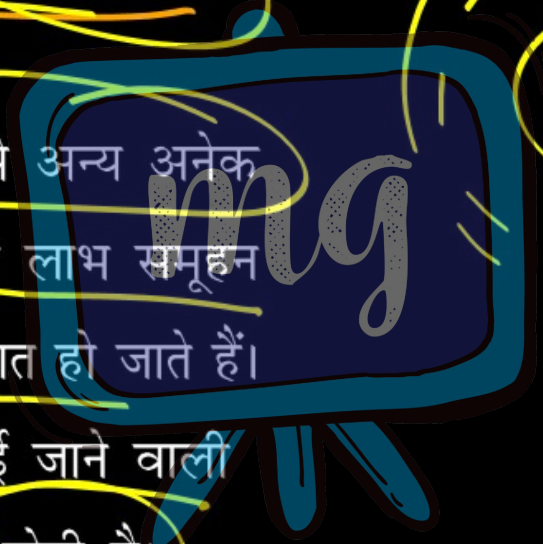


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

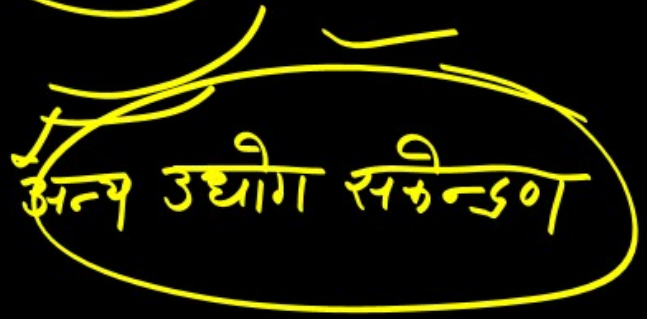
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगों के मध्य संबंध

- प्रधान उद्योग की समीपता से अन्य अनेक उद्योग लाभान्वित होते हैं। ये लाभ समूहन अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत हो जाते हैं। विभिन्न उद्योगों के मध्य पाई जाने वाली शृंखला से बचत की प्राप्ति होती है।







7. सरकारी नीति

संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है-

आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण

- कुटीर / घरेलू उद्योग
- छोटे पैमाने के उद्योग
- बड़े पैमाने के उद्योग

विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ → हाथ से बुनना

खिलौना से लेकर विमान का कारखाना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुटीर उद्योग

शिल्पकार कच्चे माल का उपयोग

यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।८
- दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औज़ार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ।

mg

अधिकतर उपकरण
८ स्थानीय लोगों के द्वारा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है।



सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानीय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

छोटे पैमाने के उद्योग

- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं।
- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।



✗ उत्पादन की तकनीकी
✗ घर से बाहर कारखाना
यंत्रों का प्रयोग अधिक किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- रोज़गार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बड़े पैमाने के उद्योग

बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।



लघु उद्योग
↓
अर्द्धकुशल श्रमिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों का प्रकार

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल



- जब किसी क्षेत्र विशेष में एक समान अथवा एक-दूसरे से अन्त: सम्बन्धित उद्योगों का एक गुच्छ या समूह विकसित होता है तो उसे औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल कहा जाता है।

विनिर्माण

आकार के आधार -3

1. कुटीर उद्योग
2. लघु उद्योग
3. वृहद उद्योग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक बस्तियाँ



- नगरों के बाहर औद्योगिक क्षेत्रों में बसाई गई बस्तियाँ।


कृषि आधारित
पशु आधारित
कच्चे माल पर आधारित उद्योग
खनिज आधारित
वन आधारित
रसायन आधारित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि आधारित

- खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाज़ारों में भेजा जाता है।



खेतों से कच्चा माल
॥
गन्ना →
कपास →
।।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख कृषि आधारित उद्योग में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ (चाय व कॉफी), मसाले, तेल एवं वस्त्र (सूती, रेशमी व जूट) तथा रबड़ उद्योग आते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

खनिज आधारित उद्योग

इन उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि कारखाने

- कृषि व्यापार एक प्रकार की व्यापारिक कृषि है जो औद्योगिक पैमाने पर की जाती है इसका वित्त-पोषण प्राय: वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रुचि कृषि के बाहर हो।
- कृषि व्यापार फार्म से आकार में बड़े, यंत्रीकृत, रसायानों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते हैं। इनको 'कृषि कारखाने' भी कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

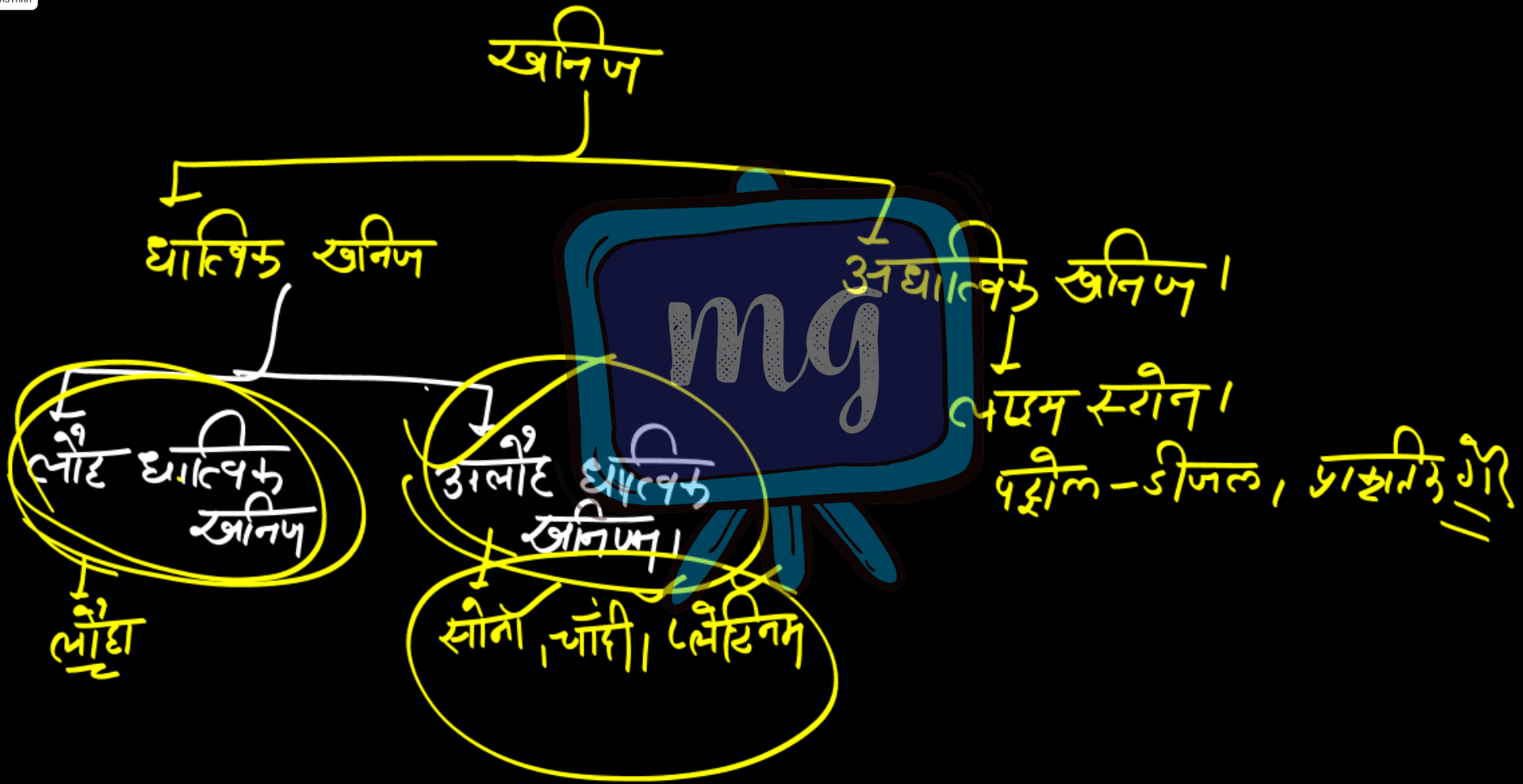
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धात्विक खनिज उद्योग

- लौह अंश वाले धात्विक खनिज उद्योग–
  लौह इस्पात उद्योग
- अलौह धात्विक खनिज उद्योग –
  एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। (खनि, चाँदी, प्लैटिनम।)

अधात्विक खनिज उद्योग

- उदाहरण :- सीमेंट उद्योग व मिट्टी के बर्तन उद्योग।


खनिज
धात्विक खनिज
अधात्विक खनिज।
लौह धात्विक खनिज
अलौह धात्विक खनिज।
लौहा
सोना, चाँदी, प्लैटिनम
पेट्रोल-डीजल, प्राकृतिक गैस

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रसायन आधारित उद्योग

- इस प्रकार के उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है जैसे पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल (पैट्रोलियम) का उपयोग होता है।
- नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लेते हैं। रसायन उद्योग के अन्य उदाहरण कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण इत्यादि है।



पेट्रोलियम → पेट्रो रसायन उद्योग।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वनों पर आधारित उद्योग

वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है।



फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज़ उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पशु आधारित उद्योग



- चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

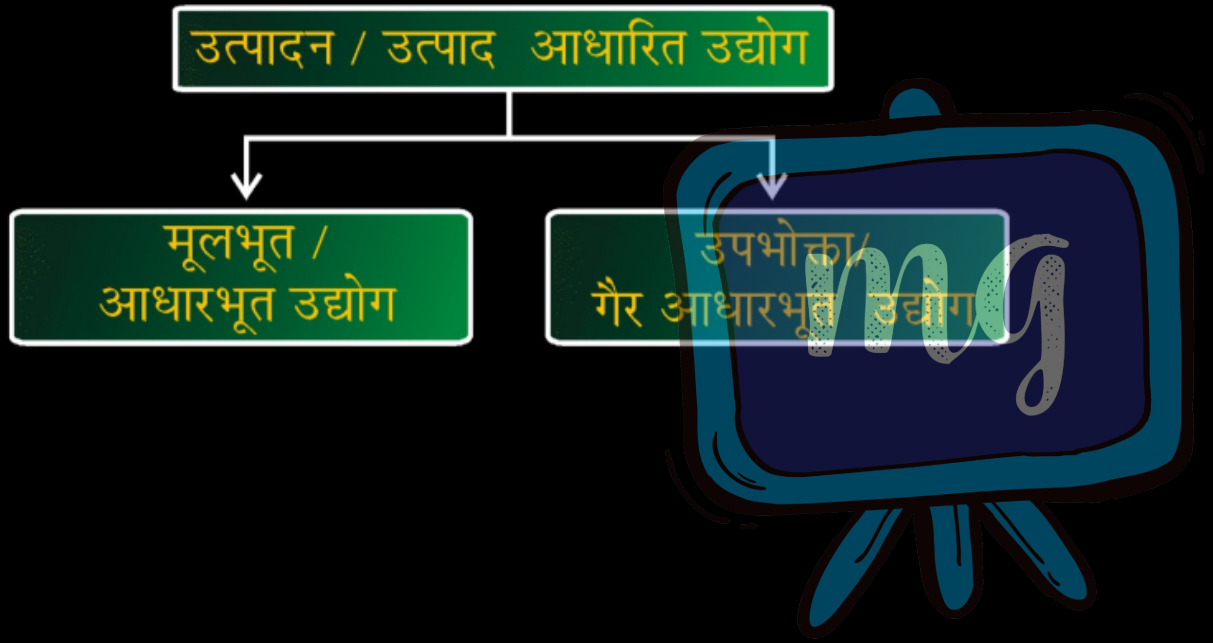
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथीदाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधारभूत उद्योग

मशीनें एवं औज़ार निर्माण में लौह-इस्पात का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है। लौह-इस्पात स्वयं में एक उद्योग है। वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उपभोक्ता या गैर आधारभूत उद्योग

- उपभोक्ता वस्तु उद्योग के ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है।
- उदाहरण के तौर पर रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज़, टेलीविजन एवं श्रृंगार सामान इत्यादि का उत्पादन करने वाले उद्योगों को उपभोक्ता माल बनाने वाले अथवा गैर आधारभूत उद्योग कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्वामित्व के आधार पर उद्योग



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

क. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

ये उद्योग सरकार के अधीन होते हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन है। समाजवादी देशों में भी अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।

उदाहरण : भिलाई, राउरकेला, बर्नपुर, इस्पात संयंत्र।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ख. निजी क्षेत्र के उद्योगों

इन उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं। पूँजीवादी देशों में अधिकतर उद्योग निजी क्षेत्र में है।

उदाहरण : टाटा लोह इस्पात उद्योग।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ग. संयुक्त क्षेत्र के उद्योग

इन उद्योगों का संचालन संयुक्त कंपनी के द्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परंपरागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेश

- यह भारी उद्योग के क्षेत्र होते हैं जिसमें कोयला खदानों के समीप स्थित धातु पिघलाने वाले उद्योग, भारी इंजीनियरिंग, रसायन निर्माण, वस्त्र उत्पादन इत्यादि का कार्य किया जाता है।
- इन्हें धुएँ की चिमनी वाला उद्योग भी कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परंपरागत औद्योगिक प्रदेशों के पहचान बिंदु

- निर्माण उद्योगों में रोज़गार का अनुपात ऊँचा होता है।
- उच्च गृह घनत्व जिसमें घर घटिया प्रकार के होते हैं एवं सेवाएँ अपर्याप्त होती है।
- इन प्रदेशों में वातावरण अनाकर्षक होता है जिसमें गंदगी के ढेर व प्रदूषण होता है।
- बेरोज़गारी की समस्या, उत्प्रवास, विश्वव्यापी माँग कम होने से कारखाने बंद होने के कारण परित्यक्त भूमि का क्षेत्र।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र



यह लंबे समय से यूरोप का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश रहा है। इसे यूरोप का औद्योगिक हृदय भी कहा जाता है कोयला, लोहा एवं इस्पात यहाँ अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रहा है पर कोयले की माँग में कमी आने के कारण उद्योग संकुचित होने लगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ लौह अयस्क समाप्त होने पर भी जलमार्ग से आयातित अयस्क का प्रयोग करके उद्योग कार्यशील रहा है।
- जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80 प्रतिशत रूहर से प्राप्त होता है। औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन के कारण कुछ क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है एवं प्रदूषण व औद्योगिक अपशिष्ट की समस्या भी होने लगी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अब रूहर के भविष्य की संपन्नता कोयले व इस्पात के बजाय नए उद्योग जैसे ओपेल कार बनाने का विशाल कारखाना, नए रासायनिक संयंत्र, विश्वविद्यालय इत्यादि पर आधारित है।
- यहाँ खरीदारी के बड़े-बड़े बाज़ार बन गए हैं जिससे एक 'नया रूहर' भू-दृश्य विकसित हो रहा है।